दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय,
मेरठ (उ.प्र.), भारत, पिन कोड- 250 005

यू.जी.सी.-ए.आई.सी.टी.ई.-डी.ई.सी. की संयुक्त समिति द्वारा अनुमोदित एवं डी. ई. बी. (यू.जी.सी.) द्वारा प्रमाणित

क्वालिटी एजुकेशन अब आपके द्वार

- अपनी योग्यता बढ़ायें
- काम के साथ ही पढ़ाई भी
- मान्यता प्राप्त कोर्सेस
- तरक्की की ओर कदम बढ़ायें

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय

यू.जी.सी.द्वारा अनुमोदित

एडमिशन हेतु सम्पर्क करें :

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.) भारत, पिन कोड- 250 005

दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित जानकारी

1. दूरस्थ शिक्षा क्या है?

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उन लोगों को भी उच्च शिक्षा उपलब्ध करायी जा सकती है जो विभिन्न कारणों से अथवा समयाभाव के कारण शिक्षा केन्द्रों से अलग हो जाते हैं। यह प्रणाली, अध्यापन तथा शिक्षण के तौर-तरीकों तथा समय-निर्धारण के साथ-साथ गुणवत्ता सम्बन्धी अपेक्षाओं से समझौता किए बिना प्रवेश मानदंडों के सम्बन्ध में भी उदार है।

2. दूरस्थ शिक्षा माध्यम से पढ़ाई करने में क्या लाभ हैं?

दूरस्थ शिक्षा माध्यम से पढ़ाई करने से निम्नानुसार लाभ होते हैं-

- समय एवं धन की बचत।
- अपनी योग्यता तथा तरक्की की ओर कदम बढ़ाएं।
- कोई अधिकतम उम्र सीमा नहीं।
- रेग्यूलर कोर्स के समकक्ष पाठयक्रम एवं डिग्री की मान्यता
- जॉब करते हुये ही अध्ययन करने से प्रमोशन के अवसरों में वृद्धि।
- काम के साथ पढ़ाई भी।
- रेग्यूलर क्लास अटेंड करने से छुटकारा।
- घर बैठे ही स्टडी मैटिरियल एवं ऑनलाईन माध्यम से अध्ययन।
- आधुनिक संचार साधनों के माध्यम से दूरदराज क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार।

3. दूरस्थ शिक्षा पाठयक्रमों में प्रवेश लेते समय क्या-सावधानियां लेनी आवश्यक हैं?

एडमिशन से पहले कोर्स के बारे में सम्पूर्ण जानकारी अवश्य लें। कोर्स की फीस, एग्जाम पैटर्न, कोर्स किन विषयों में है आदि। सबसे **महत्वपूर्ण बात विश्वविद्यालय या संस्थान यू.जी.सी. तथा डी.ई.बी. से मान्यता प्राप्त है या नहीं, इसकी भी खोजबीन कर लें।**

4. दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम कौन-2 से हैं?

निदेशालय द्वारा संचालित विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में डिप्लोमा, बैचलर, पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री और मैनेजमेंट कोर्स तथा अन्य प्रोफेशनल एवं रोजगारपरक कोर्स जैस-जर्नलिज्म एंड मॉस कम्यूनिकेशन, लाइब्रेरी साइन्स, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि चलाये जाते हैं जिनका विवरण इस प्रकार है-

डी.सी.ए., ए.डी.सी.ए., बी.सी.ए., एम.सी.ए., एम.एस.सी. (कम्प्यूटर विज्ञान), पी.जी.डी.सी.ए.

डी.बी.ए., ए.डी.बी.ए., बी.बी.ए., एम.बी.ए. (विभिन्न विशेषज्ञताओं के साथ)

बी.ए. एवं एम.ए. (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, लोक प्रशासन)

बी.ए. (फाईन आर्टस्, फैशन डिजाईन) बी.ए. एवं एम.ए. (जे.एम.सी.)

बी.लिब., एम.लिब.

बी.एस.सी. (भौतिकी-रसायन-गणित एवं जीवविज्ञान-वनस्पति विज्ञान-रसायन संयोजन)

बी.कॉम. एवं एम.कॉम.

स्नातकोत्तर डिप्लोमा (इन्टलैक्चुअल प्रोपर्टी राइटस्, पेटेन्ट प्रैक्टिस, हॉस्पिटल एवं हैल्थ मैनेजमेन्ट, डायटेटिक्स एवं पब्लिक न्यूट्रीशन, मैटरनल एवं चाईल्ड हैल्थ, जेरियाट्रिक मेडिसिन, फूड सेफ्टी एवं क्वालिटी मैनेजमेन्ट)

5. सुभारती विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की मान्यता के बारे में बताईये?

सुभारती विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित पाठयक्रम यू.जी.सी.-ए.आई.सी.टी.ई.-डी.ई.सी. की संयुक्त समिति द्वारा अनुमोदित है एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्गत डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो द्वारा मान्यता प्राप्त हैं, जिसकी जानकारी निदेशालय की वेबसाईट **www.subhartidde.com** पर **about us** मैन्यू के अन्तर्गत **Recognition Letter 'option'** पर क्लिक करके प्राप्त की जा सकती है एवं साथ ही इसी मैन्यू में दिये लिंक के माध्यम से यू.जी.सी. की वेबसाईट से भी मान्यता सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

6. दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों (डिस्टेंस लर्निंग कोर्सेस) की प्रमाणिकता क्या है?

विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के माध्यम से कराये जा रहे कोर्स नियमित कोर्सो के समान ही मान्यता प्राप्त हैं। इसी क्रम में भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन संख्या 44, एफ.सं. 18-15/93-टीडी.वी/टीएस-4, दिनांक 01.03.1995 के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा माध्यम से प्रदत्त डिग्री राजकीय सेवाओं एवं पदों सहित सभी उद्देश्यों हेतु स्वतः ही अनुमोदित है।

7. दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों में पढाई किस प्रकार होती है?

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (डिस्टेंस लर्निंग कोर्स) के अन्तर्गत विद्यार्थी जिस भी कोर्स में प्रवेश लेते हैं, निदेशालय द्वारा उस कोर्स का सम्पूर्ण पाठयक्रम विद्यार्थी को भेज दिया जाता है। इसके अतिरिक्त निदेशालय में कुछ दिनों की क्लास लेकर भी पढ़ाया जाता है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में सुसज्जित अत्याधुनिक प्रयोगशालायें, पुस्तकालय एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु पूर्ण समर्पित फैकल्टी एवं स्टाफ उपलब्ध है जहाँ विद्यार्थी कभी भी अध्ययन हेतु आ सकते है।

निदेशालय द्वारा संचालित दूरस्थ शिक्षा पाठयक्रमों के अन्तर्गत 6 प्रकार के घटक आते हैं-

1. स्वतः अध्ययन सामग्री
2. सतत् आन्तरिक मूल्यांकन
3. थ्योरी क्लासेस
4. प्रयोगात्मक कक्षायें
5. प्रोफेशनल प्रोजेक्ट वर्क
6. इन्टर्नशिप एवं पाठयक्रम केन्द्रित कार्यशालायें

प्रमुख विशेषतायें

- सभी पाठयक्रम यू.जी.सी.-ए.आई.सी.टी.ई.-डी.ई.सी. की संयुक्त समिति द्वारा अनुमोदित एवं डी. ई. बी. (यू.जी.सी.) द्वारा प्रमाणित
- विद्यार्थियों को सभी कोर्स हेतु निःशुल्क स्वतः अध्ययन सामग्री (एस.एल.एम.) की सुविधा काउंसलिंग सत्र, थ्योरी एवं प्रैक्टिकल कक्षाओं की उपलब्धता
- किसी अन्य संस्थान के विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु क्रेडिट ट्रांसफर एवं लैटरल एन्ट्री पॉलिसी का प्रावधान
- नियमित एसाइनमेन्ट्स द्वारा विद्यार्थियों के सतत् मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुसरण
- वार्षिक परीक्षा प्रक्रिया का अनुसरण
- विद्यार्थियों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को निपटाने हेतु ऑनलाइन एवं मेल सुविधा उपलब्ध

हमारा उद्देश्य

- समाज के सभी हिस्सों को उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान करना
- सभी इच्छुक लोगों को विभिन्न स्तरों के उच्च गुणवत्तापरक, नवीन व आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम सुविधा प्रदान करना
- ओपन एवं डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से शिक्षा के स्तर को प्रमोट, कोर्डिनेट एवं रेग्यूलेट करना
- समाज के सभी विभागों को शिक्षा की उपलब्धता एवं सतत व्यवसायिक विकास के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करना

आवेदन कैसे करें?

प्रिय शिक्षार्थियों,

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के कोर्सो में प्रवेश हेतु रु. 125/- नकद अथवा डिमांड ड्राफ्ट (एस.वी.एस.यू., डिस्टेंस एजुकेशन के पक्ष में एवं मेरठ में भुगतान योग्य) जमा कर प्रोस्पेक्टस निम्न स्थानों से प्राप्त किया जा सकता है—

1. दूरस्था शिक्षा निदेशालय, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ
2. दूरस्थ शिक्षा निदेशालय का ए-5, सम्राट पैलेस, गढ़ रोड, सिटी ऑफिस, मेरठ
3. इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की अधिकृत वेबसाइट **w.w.w.subhartidde.com** पर उपलब्ध प्रपत्र को भरकर डाक द्वारा भी मंगवाया जा सकता है।